यत् शब्द का परिचय

- यत् शब्द का अर्थ जो होता जिसके विभक्तियों के अनुसार अलग अलग अर्थ होते हैं |
- यत् शब्द सर्वनाम शब्द है जिसके तीनों लिंगों में रूप बनते हैं |
- यत् शब्द के सातों विभक्तियों में रूप बनते हैं | पर सर्वनाम शब्द का सम्बोधन रूप नहीं होता है |

विभक्तियाँ क्या हैं ?

- आपने कक्षा छठवीं एवं सातवीं में बालक तथा बालिका के रूप याद किए हैं जो सात पंक्तियों में लिखे गए थे जिन्हें हम सामान्यतया कारक कहते हैं |
- क्रिया को संपादित कराने वाला कारक होता है|
- कारक को ही संस्कृत भाषा में विभक्ति कहते है |
- ये प्रथमा से लेकर सप्तमी तक सात होती हैं तथा सम्बोधन भी होता है |
- सामान्यतया सर्वनाम शब्दों में सम्बोधन नहीं होता है |

कारक चिह्न

विभक्ति	कारक	चिह्न
प्रथमा	कर्ता	ने
द्वितीया	कर्म	को
तृतीया	करण	ने, से, के द्वारा
चतुर्थी	संप्रदान	के लिए
पंचमी	अपादान	से अलग होना
षष्ठी	संबंध	का, के, की, रा, रे, री
सप्तमी	अधिकरण	में पर ऊपर
सम्बोधन	सम्बोधन	हे ! अरे! भो ! अये!